श्री चुन्नीलाल नाहटा-स्मृति-ग्रन्थमाला-तृतीय पुष्प

जन-जन के बीच आचार्यश्री तुलसी

(उत्तर प्रदेश, पंजाब तथा राजस्थान का यात्रा वर्णन)

दूसरा भाग

श्री हंसराज बच्छराज नाहटा
सरदारशहर निवासी
द्वारा
जैन विश्व भारती, लाडनूं
को सप्रेम भेंट –

मुनि श्री सुखलालजी